

Alleged attribution to Yezirah.

ك ح

4 ت

♂ ف

○ و

○ ن

+ د

+ ر

+ ز

○

بسم الله الرحمن الرحيم

Bismi Allahi Arrahmani Arrahimi

1375

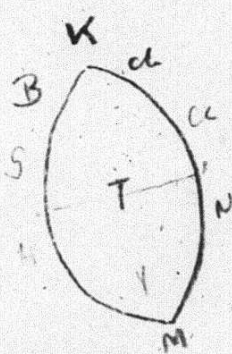
Say this 1375 times, beginning at 7.30 A.M.

Fill success or five days. If you see

anything, go on. You see all the kings of

the letters, or perhaps one of the name-

kings.



Alleged attribution to Yezirah.

ك ج

4 ت

♂ ف

○ ح

○ و

+ ك

♀ د

♀ ز

بسم الله الرحمن الرحيم

Bismi Allahi Arrahmani Arrahimi

1375

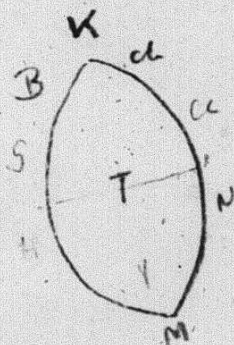
Say this 1375 times, beginning at 7.30 A.M.

Fill success or five days. If you see

anything, go on. You see all the kings of

the letters, or perhaps one of the name-

kings.





King. #  
 ا. طهطيا ميل هل  
 Samattaya Habub Had Thelhatyail  
 ب. سينا ق  
 Halilgha Tasuikh  
 Samhaag

ج. مريخ  
 Mahaliah Maryah

د. يولو  
 Yahalnah  
 ه. مطير  
 Mahthamatta

و. مطع  
 Makimnah Mahalut Mahithy

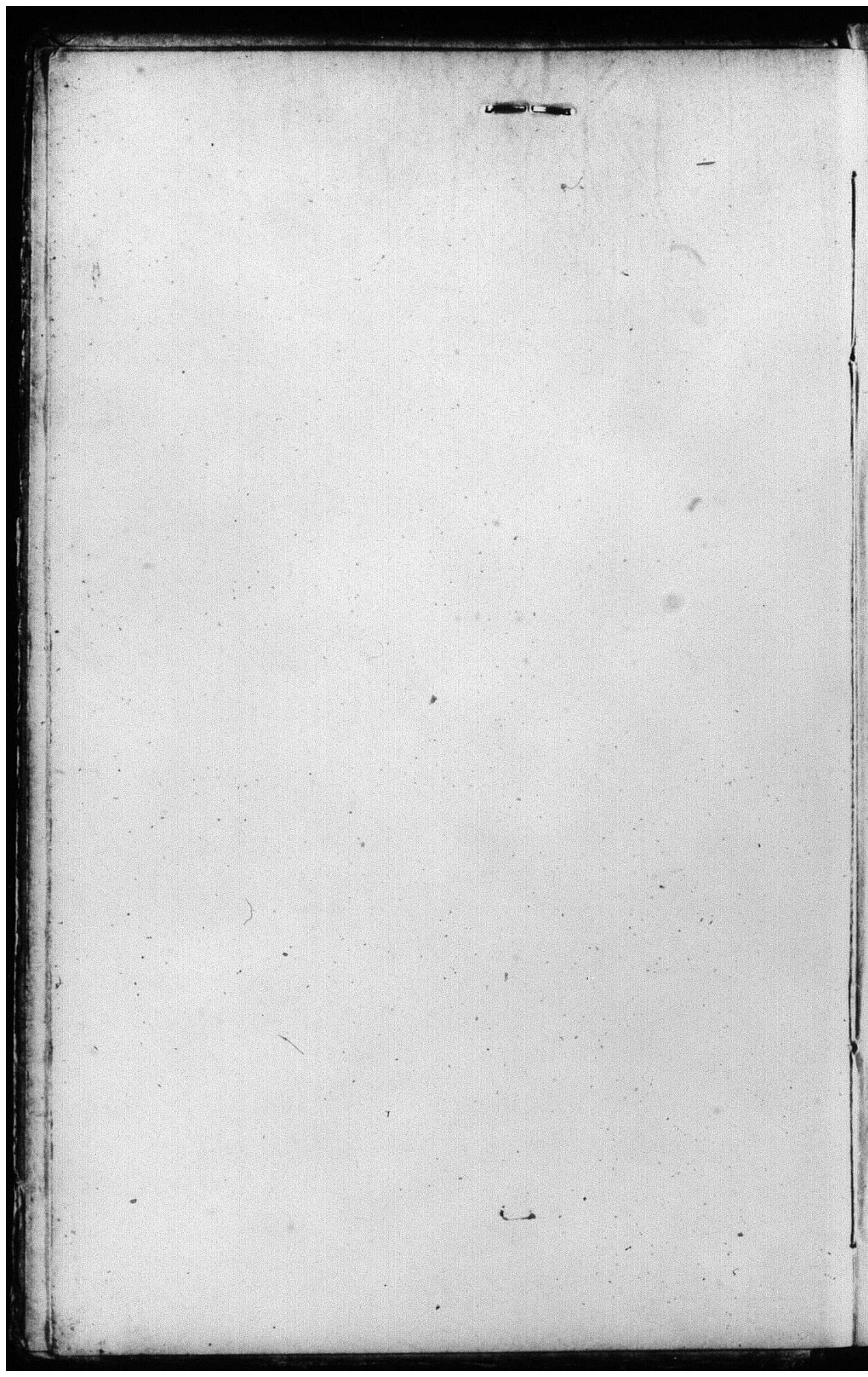
ز. براخ  
 Thaltham Sadbnah Berakh

ح. ليل  
 Laila Mahirah

has a monkey.

ط. لملح  
 Shambell Lamlch

ي. سينا ق  
 Kahaf Maqnah  
 Samyahthamali





ک - سوبدح سبوره  
 Sabourah Sawidah

ل - نفط مدي عقیط طمش  
 Nafthamadh Aphith Thamsh

م - ملیم  
 Malimuah

ن - ملوم مایح  
 Malum Madyah

س - کلیل حط  
 Kalil Hamith  
 Mathle

ع - مملک جسم لبطیم  
 Mamlak Gism or Mamlath Laghlim  
 Warthash Kilhain Aufawardin

ص - مکتب مسعود  
 Maktub Mas'ud

ق - کمالیش علقیر  
 Kamalish Edgir  
 Hamksh

Sad

ga

بغ

بغ مو عطر

بغ مو عطر عطر

2  
1000  
40  
6  
70  
~~209~~  
200  
1328



ا طاجیانش سبطین لیل

Lahil Salkat Thequash

ش دهیوم علمین

<sup>as</sup>Elathin

Dagcum

400

یمر میلو

کوفاعل

Yamermilo Mahat or Mahafael

500

هفیط

Hafit<sup>ha</sup>

600

هیج

مشتط

Itiga

700

مهل

علمین

دهیوم

2nd

Mahadz

Alamsa

Hahiqil

has a monkey 800

سودع

مس

ض

Sahadz

Mas

Sahaleth

العموش

نوع

ظ

900

ahmush Razg

Noz

Shahaleth

1000

ahayag

کاکت

سعلین

غ

Kalkat

Selat

Walkhad

نعمت Nemat.

الله

Fast 3 days.

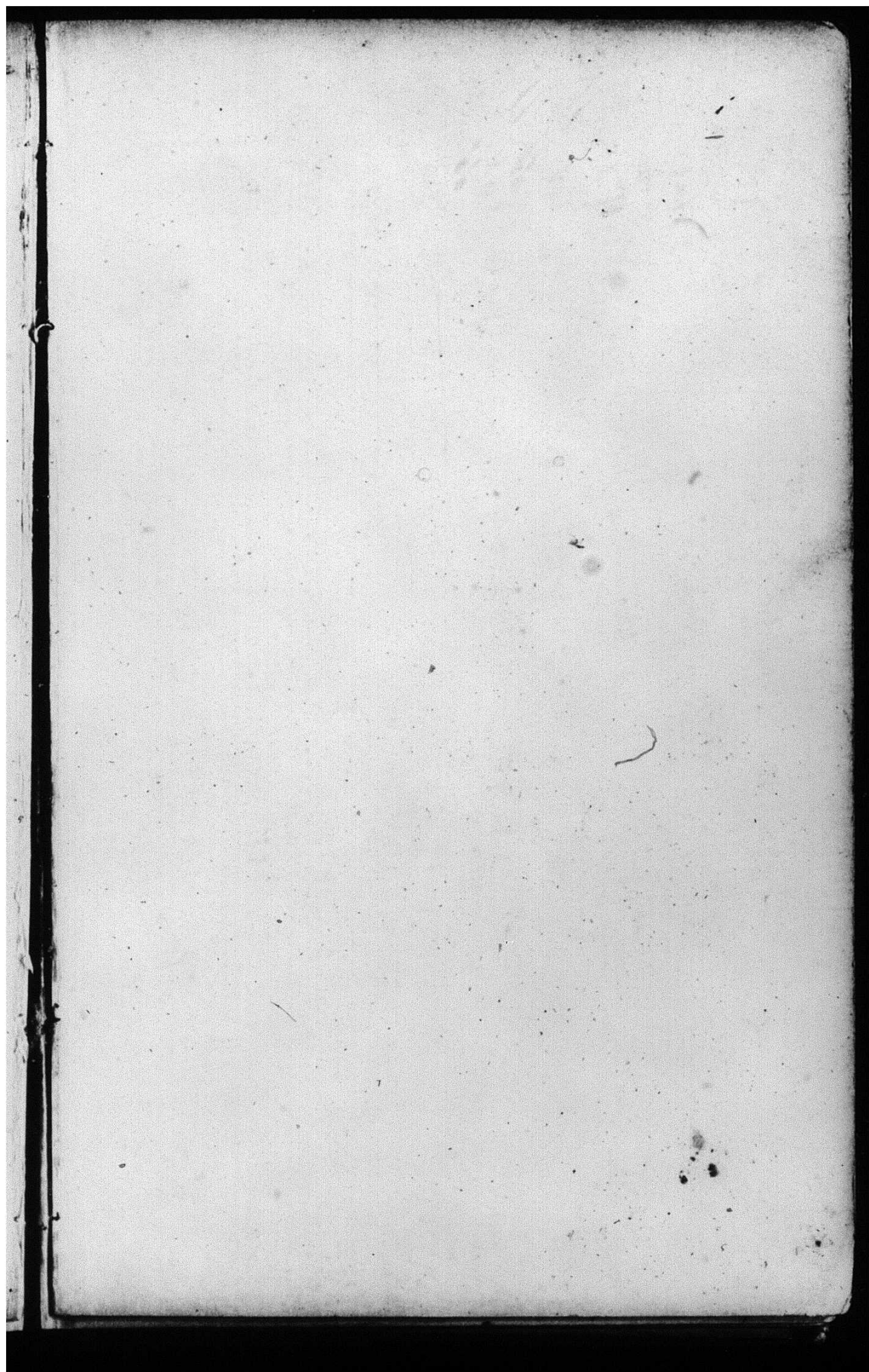
Repeat 12,400 times a day for 12 days.

The King <sup>Demanded.</sup> appears. Salute. <sup>Dismissed.</sup>

Afterwards 66 times daily. Always begin at 7.30 A.M. or any way from 12. to 12 P.M.

|     | N <sup>o</sup> of times | Days |     | N <sup>o</sup> | days |
|-----|-------------------------|------|-----|----------------|------|
| 2.  | 15,100                  | 9    | 16. | 980            | 22   |
| 3.  | 9,969                   | 14   | 17. | 1320           | 17   |
| 4.  | 13,500                  | 7    | 18. | 12,960         | 9    |
| 5.  | 740                     | 19   | 19. | 13,850         | "    |
| 6.  | 1000                    | 11   | 20. | 750            | 25   |
| 7.  | <del>475</del><br>475   | 21   | 21. | 19,560         | 41   |
| 8.  | 940                     | 17   | 22. | 541            | 7    |
| 9.  | 1800                    | 7    | 23. | 322            | 31   |
| 10. | 778                     | 7    | 24. | 1003           | 12   |
| 11. | 499                     | 5    | 25. | 1191           | 21   |
| 12. | 434                     | 15   | 26. | 199            | 7    |
| 13. | 860                     | 9    | 27. | 999            | 3    |
| 14. | 1560                    | 11   | 28. | 135            | 7    |
| 15. | 14,730                  | 21   | 29. | 95             | 41   |
|     |                         |      | 30. | 435            | 7    |
|     |                         |      | 31. | 14,520         | 21   |
|     |                         |      | 32. | 571            | 7    |
|     |                         |      | 33. |                |      |





|    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |      |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|
| 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 | 61 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 | 91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | 99 | 100 | 101 | 102 | 103 | 104 | 105 | 106 | 107 | 108 | 109 | 110 | 111 | 112 | 113 | 114 | 115 | 116 | 117 | 118 | 119 | 120 | 121 | 122 | 123 | 124 | 125 | 126 | 127 | 128 | 129 | 130 | 131 | 132 | 133 | 134 | 135 | 136 | 137 | 138 | 139 | 140 | 141 | 142 | 143 | 144 | 145 | 146 | 147 | 148 | 149 | 150 | 151 | 152 | 153 | 154 | 155 | 156 | 157 | 158 | 159 | 160 | 161 | 162 | 163 | 164 | 165 | 166 | 167 | 168 | 169 | 170 | 171 | 172 | 173 | 174 | 175 | 176 | 177 | 178 | 179 | 180 | 181 | 182 | 183 | 184 | 185 | 186 | 187 | 188 | 189 | 190 | 191 | 192 | 193 | 194 | 195 | 196 | 197 | 198 | 199 | 200 | 201 | 202 | 203 | 204 | 205 | 206 | 207 | 208 | 209 | 210 | 211 | 212 | 213 | 214 | 215 | 216 | 217 | 218 | 219 | 220 | 221 | 222 | 223 | 224 | 225 | 226 | 227 | 228 | 229 | 230 | 231 | 232 | 233 | 234 | 235 | 236 | 237 | 238 | 239 | 240 | 241 | 242 | 243 | 244 | 245 | 246 | 247 | 248 | 249 | 250 | 251 | 252 | 253 | 254 | 255 | 256 | 257 | 258 | 259 | 260 | 261 | 262 | 263 | 264 | 265 | 266 | 267 | 268 | 269 | 270 | 271 | 272 | 273 | 274 | 275 | 276 | 277 | 278 | 279 | 280 | 281 | 282 | 283 | 284 | 285 | 286 | 287 | 288 | 289 | 290 | 291 | 292 | 293 | 294 | 295 | 296 | 297 | 298 | 299 | 300 | 301 | 302 | 303 | 304 | 305 | 306 | 307 | 308 | 309 | 310 | 311 | 312 | 313 | 314 | 315 | 316 | 317 | 318 | 319 | 320 | 321 | 322 | 323 | 324 | 325 | 326 | 327 | 328 | 329 | 330 | 331 | 332 | 333 | 334 | 335 | 336 | 337 | 338 | 339 | 340 | 341 | 342 | 343 | 344 | 345 | 346 | 347 | 348 | 349 | 350 | 351 | 352 | 353 | 354 | 355 | 356 | 357 | 358 | 359 | 360 | 361 | 362 | 363 | 364 | 365 | 366 | 367 | 368 | 369 | 370 | 371 | 372 | 373 | 374 | 375 | 376 | 377 | 378 | 379 | 380 | 381 | 382 | 383 | 384 | 385 | 386 | 387 | 388 | 389 | 390 | 391 | 392 | 393 | 394 | 395 | 396 | 397 | 398 | 399 | 400 | 401 | 402 | 403 | 404 | 405 | 406 | 407 | 408 | 409 | 410 | 411 | 412 | 413 | 414 | 415 | 416 | 417 | 418 | 419 | 420 | 421 | 422 | 423 | 424 | 425 | 426 | 427 | 428 | 429 | 430 | 431 | 432 | 433 | 434 | 435 | 436 | 437 | 438 | 439 | 440 | 441 | 442 | 443 | 444 | 445 | 446 | 447 | 448 | 449 | 450 | 451 | 452 | 453 | 454 | 455 | 456 | 457 | 458 | 459 | 460 | 461 | 462 | 463 | 464 | 465 | 466 | 467 | 468 | 469 | 470 | 471 | 472 | 473 | 474 | 475 | 476 | 477 | 478 | 479 | 480 | 481 | 482 | 483 | 484 | 485 | 486 | 487 | 488 | 489 | 490 | 491 | 492 | 493 | 494 | 495 | 496 | 497 | 498 | 499 | 500 | 501 | 502 | 503 | 504 | 505 | 506 | 507 | 508 | 509 | 510 | 511 | 512 | 513 | 514 | 515 | 516 | 517 | 518 | 519 | 520 | 521 | 522 | 523 | 524 | 525 | 526 | 527 | 528 | 529 | 530 | 531 | 532 | 533 | 534 | 535 | 536 | 537 | 538 | 539 | 540 | 541 | 542 | 543 | 544 | 545 | 546 | 547 | 548 | 549 | 550 | 551 | 552 | 553 | 554 | 555 | 556 | 557 | 558 | 559 | 560 | 561 | 562 | 563 | 564 | 565 | 566 | 567 | 568 | 569 | 570 | 571 | 572 | 573 | 574 | 575 | 576 | 577 | 578 | 579 | 580 | 581 | 582 | 583 | 584 | 585 | 586 | 587 | 588 | 589 | 590 | 591 | 592 | 593 | 594 | 595 | 596 | 597 | 598 | 599 | 600 | 601 | 602 | 603 | 604 | 605 | 606 | 607 | 608 | 609 | 610 | 611 | 612 | 613 | 614 | 615 | 616 | 617 | 618 | 619 | 620 | 621 | 622 | 623 | 624 | 625 | 626 | 627 | 628 | 629 | 630 | 631 | 632 | 633 | 634 | 635 | 636 | 637 | 638 | 639 | 640 | 641 | 642 | 643 | 644 | 645 | 646 | 647 | 648 | 649 | 650 | 651 | 652 | 653 | 654 | 655 | 656 | 657 | 658 | 659 | 660 | 661 | 662 | 663 | 664 | 665 | 666 | 667 | 668 | 669 | 670 | 671 | 672 | 673 | 674 | 675 | 676 | 677 | 678 | 679 | 680 | 681 | 682 | 683 | 684 | 685 | 686 | 687 | 688 | 689 | 690 | 691 | 692 | 693 | 694 | 695 | 696 | 697 | 698 | 699 | 700 | 701 | 702 | 703 | 704 | 705 | 706 | 707 | 708 | 709 | 710 | 711 | 712 | 713 | 714 | 715 | 716 | 717 | 718 | 719 | 720 | 721 | 722 | 723 | 724 | 725 | 726 | 727 | 728 | 729 | 730 | 731 | 732 | 733 | 734 | 735 | 736 | 737 | 738 | 739 | 740 | 741 | 742 | 743 | 744 | 745 | 746 | 747 | 748 | 749 | 750 | 751 | 752 | 753 | 754 | 755 | 756 | 757 | 758 | 759 | 760 | 761 | 762 | 763 | 764 | 765 | 766 | 767 | 768 | 769 | 770 | 771 | 772 | 773 | 774 | 775 | 776 | 777 | 778 | 779 | 780 | 781 | 782 | 783 | 784 | 785 | 786 | 787 | 788 | 789 | 790 | 791 | 792 | 793 | 794 | 795 | 796 | 797 | 798 | 799 | 800 | 801 | 802 | 803 | 804 | 805 | 806 | 807 | 808 | 809 | 810 | 811 | 812 | 813 | 814 | 815 | 816 | 817 | 818 | 819 | 820 | 821 | 822 | 823 | 824 | 825 | 826 | 827 | 828 | 829 | 830 | 831 | 832 | 833 | 834 | 835 | 836 | 837 | 838 | 839 | 840 | 841 | 842 | 843 | 844 | 845 | 846 | 847 | 848 | 849 | 850 | 851 | 852 | 853 | 854 | 855 | 856 | 857 | 858 | 859 | 860 | 861 | 862 | 863 | 864 | 865 | 866 | 867 | 868 | 869 | 870 | 871 | 872 | 873 | 874 | 875 | 876 | 877 | 878 | 879 | 880 | 881 | 882 | 883 | 884 | 885 | 886 | 887 | 888 | 889 | 890 | 891 | 892 | 893 | 894 | 895 | 896 | 897 | 898 | 899 | 900 | 901 | 902 | 903 | 904 | 905 | 906 | 907 | 908 | 909 | 910 | 911 | 912 | 913 | 914 | 915 | 916 | 917 | 918 | 919 | 920 | 921 | 922 | 923 | 924 | 925 | 926 | 927 | 928 | 929 | 930 | 931 | 932 | 933 | 934 | 935 | 936 | 937 | 938 | 939 | 940 | 941 | 942 | 943 | 944 | 945 | 946 | 947 | 948 | 949 | 950 | 951 | 952 | 953 | 954 | 955 | 956 | 957 | 958 | 959 | 960 | 961 | 962 | 963 | 964 | 965 | 966 | 967 | 968 | 969 | 970 | 971 | 972 | 973 | 974 | 975 | 976 | 977 | 978 | 979 | 980 | 981 | 982 | 983 | 984 | 985 | 986 | 987 | 988 | 989 | 990 | 991 | 992 | 993 | 994 | 995 | 996 | 997 | 998 | 999 | 1000 |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|



|     |     |     |     |     |                    |     |     |     |     |
|-----|-----|-----|-----|-----|--------------------|-----|-----|-----|-----|
| 12  | 91  | 122 | 118 | 107 | 149                | 1.7 | 14. | 94  | 73  |
| 74  | 120 | 121 | 101 | 75  | 73                 | 171 | 1.0 | 179 | 1.1 |
| 140 | 1.7 | 42  | 79  | 13  | 94 <sup>94</sup>   | 74  | 108 | 122 | 139 |
| 112 | 144 | 74  | 197 | 121 | 121 <sup>121</sup> | 9.  | 7.7 | 124 | 114 |
| 142 | 72  | 90  | 122 | 119 | 1.9                | 44  | 11  | 12  | 101 |
| 71  | 99  | 43  | 1.1 | 140 | 102                | 15. | 24  | 71  | 70  |
| 17. | 79  | 72  | 37  | 111 | 1.0                | 72  | 1.2 | 07  | 101 |
| 114 | 100 | 1.  | 17  | 141 | 107                | 91  | 7.  | 141 | 113 |
| 127 | 122 | 07  | 11  | 110 | 1.0                | 72  | 102 | 1.4 | 150 |
| 97  | 127 | 12  | 104 | 71  | 177                | 03  | 110 | 122 | 119 |

Le Sura

اللَّهُ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ الْحَيُّ الْقَيُّومُ

al qayyum al hayu huwa illa la illaha allahu

وَلَا تَأْخُذُهُ سِنَةٌ وَلَا نَوْمٌ

noumum la wa sinatun ta, khuzun ta la

لَهُ مَا فِي السَّمَوَاتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ

al ardhi fi wama assamawati fi ma lalin.

مَنْ ذَا الَّذِي يَشْفَعُ عِنْدَهُ إِلَّا مَنْ أَذِنَ لَهُ

qalamun bismiti illa aladalu yashfaq alazi manza

مَا بَيْنَ أَيْدِيهِمْ وَمَا خَلْفَهُمْ وَلَا يُحِيطُونَ

yahithuna wala khalfahum wama aidihim baina ma

بَشَيْءٍ مِنْ عِلْمِهِ إِلَّا بِمَا شَاءَ وَسِعَ

wasia shaa bima illa glunhi min bishaiin

كُرْسِيُّهُ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضُ وَلَا يَئُودُهُ

ya'uduh wala walardha assemawati korsiya

حِفْظُهُمَا وَهُوَ الْعَلِيُّ الْعَظِيمُ

al arhiin al aliya wahna kafathuhuma

Three times for all: then 11 times the last phrase. Write for circle the last phrase 4 times in the quarters.

Do all 313 times; the chief of the apostles appears



or hands long to

Repeat: God, and Thanks to God, and  
There is only one God, and God is <sup>bloody great</sup> ~~strong~~  
+ he <sup>is about us</sup> ~~power~~ + There is no strength but  
in him, the exalted, the great.

---

Lailaha illa anta yakanan yamanani  
yabadiqa assamawat walardi qaza algalali  
walekrani yahi ya qayub ya rahman ya rahim  
ya ahad ya saman yaze algalali walekrani  
ya wahadu ya qaim al warifina yaghaffaru  
ya samiqu ya ghinn la ilaha illa anta  
Subhanaka inni kuntu min azalinina ya  
arahaman arrahimin.

# Great Word

to become mad, and go about naked.

سُبْحَانَ الْاِلهِ وَالْحَمْدُ لِلّٰهِ

~~subhan~~ lilahi walhamdu Allahu subhā na

وَلَا اِلٰهَ اِلَّا اِلٰهُ وَاللهُ اَكْبَرُ وَلَا

wala akbar wallahu allahu illa walailaha

حَوْلَ وَلَا قُوَّةَ اِلَّا بِاللهِ الْعَلِيِّ

alghiu hillaui illa quata waba <sup>huala</sup> <sup>huala</sup>

الْعَظِيمِ

Do this 1000 times, & demand.

alghiu

Great Name of God || 75 times : demand

لَا اِلٰهَ اِلَّا اَنْتَ يَا حَنَّانُ يَا مَنَّانُ يَا بَدِيعُ

السَّمَوَاتِ وَالْاَرْضِ يَا ذَا الْجَلَالِ وَالْاِكْرَامِ

يَا حَمِيْدٌ يَا قَهِوْمٌ يَا رَحِيْمٌ يَا رَحِيْمٌ

يَا اَحَدُ يَا صَمَدُ يَا ذَا الْجَلَالِ وَالْاِكْرَامِ يَا وَهَّابُ

يَا خَيْرُ الْاَوْرَاقِيْنَ يَا غَفَّارُ يَا صَمِيْعُ يَا عَلِيْمُ

لَا اِلٰهَ اِلَّا اَنْتَ سُبْحَانَكَ اَنْتَ كُنْتَ مِنَ الظَّالِمِيْنَ يَا رَحْمَ الْاَرْحَمِيْنَ



# Great Word

to become mad, and go about naked.

سُبْحَانَ الْاِلهِ وَالْحَمْدُ لِلّٰهِ

~~subhan~~ lilahi walhamdu Allahu subhā na

وَلَا اِلَهَ اِلَّا اَللّٰهُ وَاللّٰهُ اَكْبَرُ وَلَا

wala akbar wallahu allahu illa walailaha

حَوْلَ وَلَا قُوَّةَ اِلَّا بِاللّٰهِ الْعَلِيِّ

alghiu billahi illa quata waba <sup>huala</sup> <sup>huala</sup>

الْعَظِيمِ

Do this 1000 times, & demand.

alghiu

Great Name of God || 75 times : demand

لَا اِلَهَ اِلَّا اَنْتَ يَا حَنَّانُ يَا مَنَّانُ يَا بَدِيعُ

السَّمَوَاتِ وَالْاَرْضِ يَا ذَا الْجَلَالِ وَالْاِكْرَامِ

يَا حَمِيْدٌ يَا قَاسِمٌ يَا رَحِيْمٌ يَا رَحِيْمٌ

يَا اَحَدُ يَا صَمَدُ يَا ذَا الْجَلَالِ وَالْاِكْرَامِ يَا وَهَّابُ

يَا خَيْرُ الْاَوْرَاقِيْنَ يَا غَفَّارُ يَا صَمِيْعُ يَا عَلِيْمُ

لَا اِلَهَ اِلَّا اَنْتَ سُبْحَانَكَ اَنْتَ كُنْتَ مِنَ الظَّالِمِيْنَ يَا رَحْمَ الْاَرْحَمِيْنَ

# سورة الفاتحة

بسم الله الرحمن الرحيم

الحمد لله رب العالمين الرحمن الرحيم

al-hamdu lillahi rabbi al-'alamin ar-rahman ar-rahim

مالك يوم الدين اياك نعبد و اياك

na'ibduka wa iyyaka addini yawni maliki

نستعين اهْدِنَا الصِّرَاطَ الْمُسْتَقِيمَ

al-mustaqim sirath al-ladhi na'astaghiyru

صراط الذين انعمت عليهم غير المغضوب

al-magdubi al-ladhi na'atimu al-ladhi na'atimu

عليهم ولا الضالين امين

al-ladhi na'atimu al-ladhi na'atimu

This is the holiest Sura of the Qur'an

Say it 1000 times a night to become

a great Sheikh. It gives non-attach-

ment.

al-hamdu lillahi rabbi al-'alamin ar-rahman ar-rahim

ar-rahim maliki yawni addini iyyaka

na'ibduka wa iyyaka nastagimu al-ladhi na'astaghiyru

al-mustaqim sirath al-ladhi na'atimu al-ladhi na'atimu

al-ladhi na'atimu al-ladhi na'atimu



$$\therefore 786 = \overbrace{258 - 31}^{289} \overbrace{298 - 31}^{329} 66 102$$

1192 || 258 - 31 298 - 31 201 - 31 202 65 52 - 31

438 || 38 126 32 64 - 31 56 91

1712 || 650 - 31 300 - 31 60 640

4886 1848 - 31 1210 145 561 760 - 31 300

1114 . 101 :: 891 - 31 37 155

Alhamdu lillāhi rabbi  
algalamīnā arrahmān  
arrahīmī malikī yamīn  
addīn' iqṭā nḡbūlū  
wa' yāka nāstāḡ īmū  
ḡdīmā assirāṭha  
al mustaqīmī sirāṭha  
alḡzīmā anḡmtā ḡlāhīm  
ḡḡrō al mīdībī ḡlāhīm

Wala  
adhalim  
Amin

# Les conditions de lavation de la prière.

Avant Before putting hands on, say:

اعوذ بالله من الشيطان الرجيم

agiu billahi min ashaitani arrajimi

I ask God to protect me from misfortunes  
(demons & such like)

Then. The Basmala. (Bismillah & wash)

نويت فرائض الوضوء والصلاة

Nawaitu far'idha al wudhu wa الله

balaka lillah.

"I am about to perform to God (his)  
lavage of act and the prayer.

Wash again.

Then. Alhamdulillah al'idin al

Thanks to God pour la foi de  
Islam wahiman. walhamdulillah lillah  
Islam el pour les fidelités and thanks



ala summat rasul illah  
to God for the summat of the prophet of God

Allah humma Vag al al muga fahim an  
Our God ~~to~~ make the water pure  
wal Islam addiman. wal hamdu  
Allah Islam - faith and thanks  
lillahi alq di Islam wa  
to God for the faith of Islam &  
Summat rasul illah sallah  
the s. of the p. of G. <sup>Favour</sup>  
allahum Glay hi wasalam <sup>Pardon</sup>  
God <sup>prayer</sup>  
~~the~~ upon him & peace

Wash 3 times during the  
recitation of his calls.

3 times the mouth inside & out  
& the nose such up. Then the  
fore with both hands. Then the  
r. h. to elbow. Then the l. h.  
Then a little of the hair with a dimple  
hand. Then the ears. R. f. then l. f.

ala summat rasul illah  
to God for the summa of the prophet of God.

Allah humma <sup>Je:9</sup> Vag al al miga fahur an  
Our God. ~~to~~ make the water pure  
wal Islam addiman. wal hamdu  
~~Allah~~ Islam - faith and thanks  
lillahi alq di Islam wa  
to God for the faith of Islam &  
Summat rasul illah sallah  
the s. of the p. of G. <sup>Favour</sup>  
allahum glay hi wasalam <sup>Pardon</sup>  
God <sup>prayer</sup>  
~~upon him~~ + peace

Wash 3 times during the  
recitation of his calls.

3 times the mouth inside & out  
& the nose such up. Then the  
fore with both hands. Then the  
r. h. to elbow. Then the l. h.

Then a little of the hair with a dimple  
hand. Then the ears. R. f. then l. f.



up to ankle.

While doing <sup>prayer</sup> repeat "Nawātin".  
during hands arms.

Allah humma masikuni kitabi  
Pray God to give me my book.  
<sup>gossia</sup> <sup>triamini</sup>  
with the r.h. Allah humma masikuni  
during feet kitabi <sup>triamini</sup>

Rabi yassr wala tussir rabi  
My God, make easy not difficult My God  
triamini bibkhi in.

hush goodness

The most acceptable prayer is that

~~at 5 AM. - 6 AM.~~

2-bow ~~at 5 AM.~~

12 noon } 4-bow 3:45-5:30 4-bow  
to 2:30

-6:45.  
6:00 P.M. 3-bow 7:45-morning 4-bow

# التحيات

While on one's knees, one says:

التحيات لله والصلوات والطيبات

Wattahayyātū. Wasalawātu lillahi attahiyyātu  
السلام عليك أيها النبي ورحمة الله

allahī warahmatu annabiyyi ayūha alayka assalamu  
وبركاته السلام عليك وعلى عباد الله

allahī fī bāḍ wāḡay ḡlaina assalamu warabakat<sup>aka</sup>  
أما لحين ~~أشهد~~ أن لا اله إلا الله

allahu ila la ilaha an aashadu assalihina  
وأشهد أن محمدا عبده ورسوله اللهم

allahuma warasul<sup>u</sup> abdu<sup>h</sup> Mohammedan an aashadu  
صل على نبينا محمد وعلى آل بيته

saidna ali w<sup>ala</sup> Mohammedin saidna  
محمد كراما صلينا وأبا ركن<sup>ة</sup> على

wabarikta salayta kana Mohammedin  
سيدنا إبراهيم وعلى سيدنا إبراهيم

Ibrahim saidna ali w<sup>ala</sup> Ibrahim sayidna  
قن العالمين إنك خير مجيد

mayidu kamilan inaka alghaniin fi

all for 2-bow : for 4-bow rise up at //



نويت اصلي فرض صلاه الصبح الله

Nowit aseli fardh salat  
assohri allahu akbar

واكبر

I want to make the morning prayer  
to the great God

Noon salat asohri

ظهر

P.M. " as asri

عصر

4<sup>12</sup> " al maghaly

مغرب

5<sup>12</sup> " al gshary

عشرا

- 
1. Nowit
  2. Aoz
  3. Bismillah
  4. Fatiha + others if you will
  5. Say: Allahu Akbar and bow.
  6. Subhana allahu alaymin 3 times. Rise
  7. Rhabbana laka al hamdu
  8. Kneel. Allahu akbar
  9. Subhana rabiga all al glaza. 3 times
  10. Sit on heels Allahu akbar
  11. Kneel Allahu akbar
  12. Subhana rabiga al glaza 3 times

13. Rise: allahu akbar.
14. Bismillah
15. Takriah. <sup>A</sup>
16. allahu akbar Hands aknens
17. ~~Rhehama~~ Subhana. Rise
18. Rhehama Kneel
19. Allahu Akbar
20. Subhana Sit on heels
21. Allahu akbar. Kneel
22. do
23. Subhana Sit on heels
24. allahu akbar
25. Attiyayat.
26. (To R.) assalamun alihum wabarakaatun  
(To L) allahi wabarakaatun.  
tit to.

For 3<sup>rd</sup> as 1<sup>st</sup> for 4<sup>th</sup> as 2<sup>nd</sup> + 26.

When doing 4-bows a 3-bows cut  
short 25 as shown. If 3-bows 3<sup>rd</sup> = 2<sup>nd</sup>  
+ 26.



# سورة الاخلاص

او 3 is milled.

جو

قل هو الله احد الله الصمد لم يلد

Qol: Alla allahu ached: allahu assamed:  
lam yalid: is the Everlasting One

ولم يولد ولم يكن له كفواً احد

Walam yulad: walam yakun lahu kafwan  
ached.

To see the Will of God say this 571 times per week  
for 41 days or ~~2095~~ 20957 times in all.

For pleasure of the chest.

سورة الانشراح

الم نشرح لك صدرك ووضعتنا عنك وزرك

Alam nashrah laka sadraka wuwaadlyna  
Enka wazraka

الذي انقض ظهرك ورفعتنا لك ذكرك

alayzi angdha zikraka warafyana laka  
Zikraka

فان مع العسر يسرا ان مع العسر يسرا

faina m' alaysi yosran amma m' alaysi yosran

فاذا فرغت فانصب والى ربك فارغب  
faiza farghata fana'ab wa ila rabika  
faragh.

70 times a day.

114.  
قل اعوذ بك الله قل اعوذ  
قل اعوذ برب الناس ملك الناس الله الناس  
من شر ~~الجن~~ اللومواس الخناس الذى ~~يهدى~~  
يؤمسون فى صدور الناس من الجنة  
والناس

Qul: aguzu bi Rabbi annasi, Maliki  
'nassi, Ilahi 'nassi, min shari 'l  
wasswass; al' khamassi; alazi  
yu wasswisu fi suduri anassi min  
al qinatti wanassi.

11 times at the 5 times of prayer  
to protect against demons or  
dissolve the spell of  $\text{س}$  in  $\text{ق}$



قل أعوذ برب الفلق من شر ما خلق  
ومن شر غاسق إذا وقب ومن شر  
النفاسات فس العقد ومن شر ما وعد  
إذا حسد

Qul: auzu bi Rabbi al-falak min  
shari ma khalek wa min shar  
ghasigin iza waqab wa min shar  
an-nafassati fil-gadi wa min shari  
hasidin isa hasad 113.

بسم القرآن الحكيم ابتدأ من المبرورين  
على صراط مستقيم # تنزيل العزيز  
الرحيم لتنذر قوما ما نذر أبائهم فهم  
غافلون لقد حق القول على أكثرهم  
فهم لا يؤمنون أنا جعلنا في أعناقهم  
أغلا لا فهم الس الأذقان فهم مقمحون  
وجعلنا من بين أيديهم سدا ومن  
خلفهم سدا فاعشيتهم فهم لا يبصرون  
وسوأ عليهم أنذرتم أم لم تنذرهم ~~فهم~~  
لا يؤمنون إنما تنذر من

اتبع الذكر وخشع الرحمن بالغيب  
فبسمرة بمغفرة واجركريم انا نحن  
نحس الموتى ونكتب ما قدموا  
واشارهم وكل شئ احصينا هـ  
امام مبین وا ضرب لهم مقتلا  
اسحاب القرية اذ جاءها  
المرسلون اذ ارسلنا  
اليهم اثنتين فكذبوهما  
فعززنا بثالث فقالوا انا اليكم  
مرسلون قالوا ما انتم الا  
بشع مفلون او ما انزل الرحمن  
من شئ ان انتم الا تكذبون  
كالوا ربنا يعلم انا اليكم لمرسلون  
وما علينا الا السبل لا نخشى منكم



قالوا انا تطيرنا بكم ليئن لم تنتهوا  
لنرجنكم وليمسسكم منا عذاب اليم قالوا  
طائرکم معلّم <sup>اي</sup> ايئن ذكرتم بل انتم  
قوم مسرفون وجاه من اقصى المدينة  
رجل يسعى قال يا قوم اتبعوا المرسلين  
اتبعوا من لا يسئلكم احرا ولهم مهتدون  
وما لي لا اعبد الذي فطرني واليه  
نرجعون اتخذ من دونه  
الهة ان يريدن الرحمن بغفر  
لا تخن <sup>عني</sup> عني شفاعتهم  
ثبثا ولا ينقذون انن اذا  
لفى ضلال مبين انن  
استبر بر بكم فاسمعون  
قيل ~~هذا~~ اذ خل الجنة قال  
يا ليت قوم يعلمون بما  
غفرتن وبن وحملتن  
من المكرمين وما انزلن

على قومة من بعدة من  
جند من السماء وما  
كن منزلين ان كانت  
الا صيحة واحدة فاذا هم  
خامدون يا حسرة الس  
العبيد ما يأتهم من  
العمل الا كانوا به يستهزؤون  
الم يروا كم اهلكنا قبلهم من  
القدرون انهم اليهم لا يرجعون  
وان كل لواء جميع لدينا  
محضرون واية لهم الارض  
المحيية احييناها واخرجنا  
منها حيا فممنه ياكلون  
وجعلنا فيها جنات



من نخيل واعناب  
وعجرات فيها من الغيرون  
لياكلوا من ثمره وما  
عملته ايديهم افلا يفكرون  
سبحان الذي خلق  
الارض والسموات  
لا يعلمون وايه لهم الليل  
نسلخ منه النهار فاذا هم  
مطمعون والشمس تجري  
سجرا لهم مستقر لها ذلك تقدير  
العزیز العليم

هو الله الذي

لا اله الا هو

He is God & there is  
no other God than

He.